

खबर संक्षेप

जिला खनिज प्रतिष्ठान
न्यास माण्डल की बैठक
3 सितम्बर को

सतना। जिला खनिज न्यास प्रतिष्ठान 'न्यास मंडल'की बैठक कलेक्टर सतना डॉ.सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में 3 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सतना में आयोजित की गई है। बैठक में जिला खनिज प्रतिष्ठान नियम 2016 में दिनांक 15 मई 2026 म.प्र.शासन राजपत्र में प्रकाशित संसाधनों पर चर्चा, 5 वर्षीय भावी कार्ययोजना एवं वार्षिक कार्ययोजना, वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं वर्ष 2026-27 में जिला खनिज प्रतिष्ठान मद की कार्य योजना पर चर्चा एवं अनुमोदन, पूर्व में स्वीकृत कार्यों के कार्य परिवर्तन/स्थल परिवर्तन के संबंध में चर्चा तथा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य बिन्दु पर चर्चा की जायेगी। न्यास मण्डल जिला खनिज प्रतिष्ठान के सचिव ने सभी संबंधितों से बैठक में उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

सतना जिले में अब तक

848.4 मि.मी. औसत

वर्षा दर्ज

सतना। जिले में इस वर्ष 1 जून से 24 अगस्त तक 848.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 900.8 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 965.3 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 1034.7 मि.मी., बिरसिंहपुर में 907.4 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 945 मि.मी., नागौद में 878.6 मि.मी., जसो (नागौद) में 480.7 मि.मी. एवं उच्छेहरा में 674.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 817.9 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

मैहर-सरलानगर सड़क
की जर्जर स्थिति: कांग्रेस
ने सौंपा ज्ञापन

मैहर। जिले में मैहर तहसीली कार्यालय से डेल्हा मोड़ होते हुए सरलानगर तक जाने वाले मुख्य मार्ग की खस्ताहाल स्थिति को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमिटी ने प्रदर्शन किया। सोमवार को जिला अध्यक्ष धर्मेश घई और रमेश प्रजापति के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि व्यवस्थित औद्योगिक क्षेत्र होने के बावजूद सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं, जिससे बारिश में हादसों का खतरा बढ़ गया है। ज्ञापन में सड़क का सर्वे कराकर इसे 70 फीट चौड़ा करने, स्टीट लाइट लगाने, जलभराव की निकासी और अवैध पार्किंग पर रोक लगाने की मांग की गई है। साथ ही, जर्जर सड़क के बावजूद MPRDC द्वारा टोल वसूली पर सवाल उठाते हुए टोल व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग रखी गई है।

जल जमाव वाले क्षेत्रों में नहीं पनपे मच्छर, पेयजल को शुद्ध और क्लोरीनेशन कराये

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक
संपन्न

सतना। कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने विगत दिनों जिले में हुई लगातार वर्षा के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल जमाव वाले स्थानों पर मलेरिया और डेंगू के मच्छर पनपने नहीं देने के सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में नगरीय निकाय और ग्रामीण क्षेत्रों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा ग्राम पंचायतें सभी पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन और जरूरत से पेयजल की शुद्धता कराये। इसके साथ ही खुले कुओं में क्लोकिंग पावडर एवं क्लोरीन टेबलेट से पेयजल का शुद्धिकरण कराने और लोगों में साफ स्वच्छ जल एवं जल स्रोतों का पानी उबालकर ही पीने के लिए उपयोग करने की जागरूकता लाने के निर्देश दिये हैं। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की संपन्न बैठक में



सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम राहुल सिलाडिया, सुमेश द्विवेदी, सुभाष मिश्रा, संदीप

श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर जीतेन्द्र वर्मा, संदीप परसे सहित जनपद के सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा विभाग प्रमुख



सतना। सावन महीने के अंतिम सोमवार पर सतना जिले सहित आसपास के समूचे अंचल में शिवभक्ति की जबरदस्त लहर देखने को मिली। भोर होते ही ब्रह्ममुहूर्त से शहर के प्राचीन शिवालयों से लेकर बिरसिंहपुर और चित्रकूट के प्रसिद्ध मंदिरों तक जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दिनभर पूरा क्षेत्र 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गुंजायमान रहा। शहर के प्राचीन जगतदेव तालाब शिव मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, बेलपत्र, भांग, धतूरा और पुष्प अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वहीं, पन्नीलाल चौक स्थित शिवालय और कोठी रोड के पशुपतिनाथ धाम में भी पूजा सामग्री लिए भक्त अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। बिरसिंहपुर स्थित प्रसिद्ध गैबीनाथ शिव मंदिर में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का अभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। चित्रकूट के प्रसिद्ध मत्तगजेंद्रनाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा; जहां भक्तों ने मंदाकिनी नदी में स्नान के बाद जलाभिषेक कर देश की खुशहाली की प्रार्थना की।

मैहर के गोला मठ में 5 हजार से अधिक भक्तों ने टेका माथा

मैहर स्थित ऐतिहासिक प्राचीन गोला मठ शिव मंदिर में सुबह 4 बजे से ही दर्शन का सिलसिला शुरू हो गया था। अनुमान के मुताबिक 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ के दर्शन की तांग बजाई। मान्यता है कि इस विशाल पर्यटकों की नक्काशी वाले मंदिर का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने एक ही रात में किया था। हिंदू धर्म में सावन सोमवार का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन के सोमवार को शिवलिंग पर जलाभिषेक और बेलपत्र अर्पित करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इसी आस्था के चलते जिलेभर के गांवों व कस्बों क्षेत्रों में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। इस पावन अवसर पर 'गोला मठ भक्त मंडली' द्वारा भव्य मंडारे का आयोजन किया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के पश्चात मंडारे में प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। भक्त मंडली के सदस्यों और स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय और अनुशासित बना रहा।



मैहर में टला बड़ा हादसा: श्रद्धालुओं से गरी ट्रैक्टर-ट्रॉली का हाइड्रोलिक उठा
मैहर। सोमवार सुबह मां शारदा के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के साथ एक बड़ा हादसा होने से टल गया। सतना जिले के रामपुर बाघेलान क्षेत्र के चकदही गांव से श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर मैहर पहुंचे थे। बाबा तालाब के समीप अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली का हाइड्रोलिक सिस्टम ऊपर उठ गया, जिससे ट्रॉली पलटते-पलटते बची। ट्रॉली में करीब एक दर्जन श्रद्धालु सवार थे। खतरा भांपते ही सभी यात्रियों ने मुस्तेदी दिखाते हुए तुरंत नीचे छलांग लगा दी, जिससे किसी के घायल होने या जनहानि की खबर नहीं है। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने यात्री सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे वाहनों की फिटनेस जांच करने की मांग की है।



सावन के अंतिम सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, 'हर-हर महादेव' से गुंजा सतना

निकली भव्य कांवड़ यात्रा



सावन के अंतिम सोमवार पर शहर में पूर्व विधायक स्वर्गीय शंकरलाल तिवारी की स्मृति में एक भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई, जिसमें राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सहित हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। सुभाष पार्क में धार्मिक पूजन के साथ शुरू हुई यह यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई जगतदेव तालाब पहुंची। हाथों में



गंगाजल

और सजी हुई

कांवड़ लिए भक्त

हर-हर महादेव के जयकारों के

साथ आगे बढ़ते रहे। मार्ग में जगह-

जगह सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा, फलाहार और शीतल जल से कांवड़ियों का स्वागत किया। यात्रा का मुख्य आकर्षण शिव-पार्वती के स्वरूप में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत तांडव नृत्य रहा, जिसने सभी का मन मोह लिया। अंत में कांवड़ियों ने जगतदेव तालाब स्थित शिव मंदिर पहुंच कर भगवान को लेनाथ का लालाभिषेक किया। सुरक्षा व यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल मुस्तैद रहा।

एकेएस विश्वविद्यालय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का दीक्षारंभ
इंडक्शन में अनुसंधान से उद्यमिता तक की दी सीख

धीरेन्द्र मिश्रा एवं नंदिनी शर्मा ने किया। इसके बाद दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और कुलगीत के साथ दीक्षारंभ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। मंच संचालन बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्राध्यापक डॉ. माही चौरे ने किया।

सतना। एकेएस विश्वविद्यालय के लाइफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी एवं एनवायरनमेंटल साइंस संकाय के प्रथम वर्ष के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए सोमवार को सेंट्रल हॉल सभागार में दीक्षारंभ संस्कार एवं इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास और करियर की संभावनाओं से परिचित कराना रहा। इंडक्शन के दौरान विद्यार्थियों को यह समझाने पर जोर दिया गया कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि नई सोच, प्रयोग, कौशल और समाज की समस्याओं के समाधान से जुड़ने का माध्यम भी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एकेएस विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीए चोपाड़े और आईआईटी बीएचयू, वाराणसी के स्कूल ऑफ बायोकेमिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. विशाल मौर्या रहे। कार्यक्रम की शुरुआत नवप्रवेशी विद्यार्थियों को किट प्रदान कर पंजीयन प्रक्रिया से हुई। यह कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। मंच संचालन बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्राध्यापक डॉ. माही चौरे ने किया।

बायोप्रोसेस और मेटाबोलिक इंजीनियरिंग के अवसर बताए
आईआईटी बीएचयू, वाराणसी के स्कूल ऑफ बायोकेमिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. विशाल मौर्या ने विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि इंजीनियरिंग, मेटाबोलिक इंजीनियरिंग और बायोरिएक्टर डिजाइन के महत्व को समझाया। साथ ही इन क्षेत्रों में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और करियर के अवसरों की जानकारी दी। इंडक्शन सत्र में विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि जैवप्रौद्योगिकी जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में प्रयोगशाला आधारित ज्ञान के साथ तकनीकी दक्षता और समस्या समाधान की क्षमता भी आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में बायोटेक्नोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. अश्विनी वाओ ने धन्यवाद ज्ञापित किया और नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को आगे की शैक्षणिक यात्रा के लिए मार्गदर्शन दिया।

ख़बर संक्षेप

पत्थर हटाने के विवाद में युवती और उसकी मां से मारपीट, तीन पर मामला दर्ज

अमानगंज। थाना अमानगंज क्षेत्र के ग्राम बन्हेरी में पत्थर झ्थर-उधर करने की बात को लेकर विवाद हो गया। युवती की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, 19 वर्षीय अंकिता विश्वकर्मा ने अपनी मां गुड्डी विश्वकर्मा व पिता अशोक विश्वकर्मा के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। फरियादिया ने बताया कि 24 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे वह घर के पास हैंडपंप पर नहा रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले पुष्पेन्द्र जोशी, उसकी आमी रेखा जोशी और छोटू जोशी डंडा लेकर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। शोर सुनकर अंकिता की मां मौके पर पहुंची और गाली देने से मना किया, जिसके बाद आरोप है कि तीनों ने दोनों के साथ मारपीट की। पुष्पेन्द्र ने गुड्डी को डंडा मारकर बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया, जबकि छोटू ने अंकिता के पैर में डंडा मारा, जिससे उसे चोट लगने और खून निकलने की बात शिकायत में कही गई है। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे गिरधारी रजक और कंछड़ी लोहार ने बीच-बचाव किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जाने समय आरोपियों ने दोबारा विवाद करने पर जान से खस करने की धमकी दी। पुलिस ने फरियादिया की रिपोर्ट पर धारा 296(बी), 115(2), 351(3) एवं 3(5) बीएसएच के तहत प्रकरण दर्ज कर दिवंगना शुरू कर दी है।

यूजीसी कानून को वापस लिए जाने की मांग को लेकर के अजयगढ़ में होगा आंदोलन

पन्ना। केंद्र सरकार द्वारा कॉलेज और विश्वविद्यालय में लागू किया गया यूजीसी कानून तथा एससी एक्ट एक्ट में संशोधन आरक्षण आर्थिक आधार पर किए जाने तथा समाज में अन्याय फैलाने वाले कुछ व्यक्तियों एवं संगठनों पर कार्रवाई की मांग को लेकर के अजयगढ़ में भी आंदोलन की चर्चा बड़े जोर शोर से हो रही है गति दिना यहां के जागरूक लोगों की एक बैठक भी इस सिलिलेले में अजयगढ़ दहसील में करीब 10 किलोमीटर पैदल यात्रा कर श्रद्धालुओं ने भूमिश्र धाम पहुंचकर शिवलिंग पर जल अर्पित किया और सुख-समृद्धि को कामना की। पन्ना के सरकारी द्वारा कॉलेज और विश्वविद्यालय में लागू किया गया यूजीसी कानून तथा एससी एक्ट एक्ट में संशोधन आरक्षण आर्थिक आधार पर किए जाने तथा समाज में अन्याय फैलाने वाले कुछ व्यक्तियों एवं संगठनों पर कार्रवाई की मांग को लेकर के अजयगढ़ में भी आंदोलन की चर्चा बड़े जोर शोर से हो रही है गति दिना यहां के जागरूक लोगों की एक बैठक भी इस सिलिलेले में अजयगढ़ दहसील में करीब 10 किलोमीटर पैदल यात्रा कर श्रद्धालुओं ने भूमिश्र धाम पहुंचकर शिवलिंग पर जल अर्पित किया और सुख-समृद्धि को कामना की। पन्ना के सरकारी द्वारा कॉलेज और विश्वविद्यालय में लागू किया गया यूजीसी कानून तथा एससी एक्ट एक्ट में संशोधन आरक्षण आर्थिक आधार पर किए जाने तथा समाज में अन्याय फैलाने वाले कुछ व्यक्तियों एवं संगठनों पर कार्रवाई की मांग को लेकर के अजयगढ़ में भी आंदोलन की चर्चा बड़े जोर शोर से हो रही है गति दिना यहां के जागरूक लोगों की एक बैठक भी इस सिलिलेले में अजयगढ़ दहसील में करीब 10 किलोमीटर पैदल यात्रा कर श्रद्धालुओं ने भूमिश्र धाम पहुंचकर शिवलिंग पर जल अर्पित किया और सुख-समृद्धि को कामना की।

गुनौर स्थित सिली गौशाला बदहाल दलदल में रहने को मजबूर गो वंश



गुनौर। नगर गुनौर की सिली स्थित गौशाला एक बार फिर अपनी बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर सवालों के घेरे में है। गौशाला परिसर में जगह-जगह कीचड़ और दलदल जैसी स्थिति बनी हुई है, जिसके बीच गोवंश को रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। पशुओं के खड़े होने और बैठने तक के लिए पर्याप्त सूखी जगह नजर नहीं आ रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गौशाला में गोवंश के लिए समुचित चारा, स्वच्छ पानी और साफ-सफाई की व्यवस्था भी नहीं है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि गोवंश के संरक्षण और पालन-पोषण के लिए शासन स्तर से राशि उपलब्ध होने के बावजूद जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं बदहाल क्यों हैं?

कुछ माह पहले निरीक्षण में मिली थीं चार मृत गौमाता
 इस मामले की और गंभीर बनाता है कुछ माह पूर्व का घटनाक्रम। बताया जाता है कि गुनौर विधायक एवं तत्कालीन एसडीएम गुनौर द्वारा गौशाला का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान गौशाला परिसर में चार गौमाता मृत अवस्था में मिली थीं। इसके बावजूद स्थानीय लोगों के अनुसार इस मामले में अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई। यदि यह तथ्य सही है तो सवाल यह है कि चार गौमाता की मौत के बाद जिम्मेदारी किसकी तय की गई? क्या उस समय गौशाला की व्यवस्थाओं की जांच कराई गई थी?

चौमुखनाथ धाम में आस्था का अद्भुत संसार, अंतिम सोमवार को उमड़ा श्रद्धा का सैलाब



शिवघाट धाम सुनवानी से जटाशंकर के लिए निकली पैदल कांवड़ यात्रा

अमानगंज। सावन मास के अंतिम सोमवार के अवसर पर शिवघाट धाम सुनवानी से जटाशंकर धाम के लिए भव्य पैदल कांवड़ यात्रा निकली गई। कांवड़ियों का जत्था 51 लीटर पवित्र जल लेकर भगवान मोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए रवाना हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कांवड़ियों के साथ सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। कांवड़ यात्रा का उद्देश्य भगवान शिव की आराधना के साथ क्षेत्र में धार्मिक आस्था और भाईचारे का संदेश देना रहा। श्रद्धालु पैदल यात्रा कर जटाशंकर धाम पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। यह जानकारी सोमवार दोपहर 12 बजे सामने आई।



यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कांवड़ियों के साथ सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। कांवड़ यात्रा का उद्देश्य भगवान शिव की आराधना के साथ क्षेत्र में धार्मिक आस्था और भाईचारे का संदेश देना रहा। श्रद्धालु पैदल यात्रा कर जटाशंकर धाम पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। यह जानकारी सोमवार दोपहर 12 बजे सामने आई।



सैकड़ों कांवड़ियों ने पतने का पवित्र जल भूमिश्वर महादेव को किया अर्पित



स्थानीय लोगों के अनुसार यह आयोजन कई वर्षों से सावन सोमवार को होता आ रहा है। धीरे-धीरे यह परंपरा एक बड़े उत्सव का रूप ले चुकी है, जिसमें आपस के गांवों से भी बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल होते हैं। मंदिर परिसर में दिन भर पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और अभिषेक का दौर चलता रहा। आयोजन समिति द्वारा कांवड़ियों के लिए जल, फल और विश्राम की व्यवस्था भी की गई थी।

650वीं जन्म जयंती पर संत रविदास महाराज का संदेश गूंजा, कलश यात्रा में शामिल हुए विधायक

ग्राम हरदी में समरसता संकल्प अभियान के तहत निकली भव्य कलश यात्रा, संत रविदास जी के समानता

पन्ना। पन्ना जिले के धरमपुर मंडल अंतर्गत ग्राम हरदी में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान के तहत भव्य कलश यात्रा निकाली गई। धार्मिक और सामाजिक समरसता के वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह शामिल हुए। उन्होंने संत रविदास महाराज जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं सहित ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। श्रद्धालुओं ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा निकाली और संत रविदास महाराज जी के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस दौरान सामाजिक एकता, समरसता और भाईचारे का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री एवं विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि संत गुरु रविदास जी केवल एक महान संत ही नहीं, बल्कि समाज सुधारक और मानवता के सच्चे मार्गदर्शक थे। उन्होंने ऐसे समय में समाज को समानता और भाईचारे का संदेश दिया, जब जाति-पाति और छुआछूत जैसी कुरीतियां समाज को बांटने का काम कर रही थीं। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और समाज को एकजुट करने की प्रेरणा देते हैं। विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने संत



रविदास जी के जीवन से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा कर्म, ईमानदारी और सदागी को महत्व दिया। वे अपनी मेहनत की कमाई से संतुष्ट रहते थे और लोगों को भी ईमानदारी तथा कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते थे। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी का जीवन हमें सिखाता है कि किसी व्यक्ति की महानता उसके जन्म या सामाजिक स्थिति से नहीं, बल्कि उसके कर्मों और विचारों से तय होती है। उन्होंने संत रविदास जी के प्रसिद्ध संदेश “मन चंगा तो कठौती में गंगा” का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक कहावत नहीं बल्कि जीवन का गहरा दर्शन है। इसका अर्थ है कि यदि व्यक्ति का मन पवित्र और निर्मल है तो ईश्वर की अनुभूति हर स्थान पर की जा सकती है। संत रविदास जी ने बाहरी आडंबर और दिखावे के बजाय मन की पवित्रता तथा सच्ची भक्ति को अधिक महत्व दिया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने जाति-पाति, छुआछूत और सामाजिक भेदभाव का कड़ा विरोध किया। उनका स्पष्ट संदेश था कि सभी मनुष्य समान हैं और किसी के साथ जन्म या जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। उनकी शिक्षाएं समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करती

हैं। विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने महान कृष्ण भक्त मीराबाई का उल्लेख करते हुए कहा कि संत रविदास जी के आध्यात्मिक ज्ञान और व्यक्तित्व का प्रभाव दूर-दूर तक था। मीराबाई ने भी उन्हें अपना आध्यात्मिक गुरु माना। संत रविदास जी की वाणी और उनके विचारों ने समाज के हर वर्ग को प्रभावित किया। उन्होंने उपस्थित लोगों से संत रविदास महाराज जी के बताए मार्ग को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर एक मजबूत और समरस समाज के निर्माण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। संत रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती का यह अवसर उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का अवसर है। इस अवसर पर धरमपुर मंडल अध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह लोधी, नगर परिषद अजयगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती सीता गुप्ता, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय अहिरवार, जिला पंचायत सदस्य दिनेश भुज्जी, वरिष्ठ नेता रामायण लोधी, कौशल किशोर लोधी, शीलू श्रीवास्तव सहित मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।



वीरांगना अवन्ती बाई लोधी की 195वीं जयंती पर उमड़ेगा जनसैलाब, गूंजेगी शौर्य की हुंकार, दिग्गज होंगे शामिल

पन्ना। पन्ना की धरती एक बार फिर स्वाभिमान और देगा! सड़कों पर उतरेगा महा-जनसैलाब एक पराक्रम के नारों से थराने वाली है! आगामी 30 अगस्त 2026 को वीरांगना रानी अवन्ती बाई लोधी की 195वीं जयंती के अवसर पर पन्ना में ऐतिहासिक महाकुंभ होने जा रहा है, जिसकी तैयारियों ने पूरे जिले में भारी हलचल मचा दी है। दूसरी बैठक 23 अगस्त को पन्ना की इंदपुरी कॉलोनी में युवा नेताओं और समाज के दिग्गजों की हुई हाई-वोल्टेज बैठक में जो रणनीतियां बनी हैं, वो साफ इशारा कर रही हैं कि इस बार का आयोजन पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर

30 अगस्त को पन्ना में होगा लोधी समाज का महा जुटान, आयोजकों ने कार्यक्रम में शामिल होने की अपील

प्रहलाद लोधी और पूर्व कैबिनेट मंत्री सुश्री कुसुम सिंह महदेले जैसे कदावर नेताओं के हुंकार भरने की पूरी रणनीति तैयार की गई है।

गांव-गांव से कूच करेगी संगठित कार्यकर्ताओं की रफ़ौज, सड़कों पर उतरेगा महा-जनसैलाब, दिग्गजों का लगेगा जमावड़ा
 गांव-गांव से कूच करेगी संगठित कार्यकर्ताओं की रफ़ौज जिले के चप्पे-चप्पे और हर एक गांव से 10 से 15 लोगों का जत्था इस महासम्मेलन की ओर कूच करेगा। लक्ष्य सिर्फ एक है सामाजिक एकजुटता की ऐसी सुनामी लाना जिसे देखकर हर कोई दंग रह जाए! कार्यक्रम को सफल बनाने युद्ध स्तर पर चल रही हैं तैयारियां डोजे की धमक, सजी हुई शाही बग्घी, पुष्पवर्षा और आसमान छूते नारों के साथ इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए मारटरप्लान तैयार हो चुका है। बैठक में रामशरण सिंह लोधी, श्रीमती उमा लोधी, शिव मोहन सिंह लोधी, युवा नेता रामपाल राजपूत और शारदा प्रसाद सिंगरौल, राष्ट्रीय लोधी एवं महासभा के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, पुष्पेंद्र सिंह लोधी, महेंद्र सिंह मिक्क, रजोल सिंह शिक्षक, सुरजदीन लोधी, सीताशरण सिंह लोधी शिक्षक, दिनेश बाबूजी, सुभाष सिंह, वीरेंद्र महदेले, प्रोफेसर जयपाल, प्रोफेसर अमन सिंह लोधी, शिक्षक राजेश सिंह लोधी, शिक्षक मुन्ना सिंह, राजेंद्र सिंह लोधी सहित समाज के कई प्रभावशाली चेहरों ने इस महा-आयोजन की कमान अपने हाथों में ले ली है। पवई, गुनौर और पन्ना विधानसभा के समस्त लोधी समाज ने रणभेरी बजा दी है। आयोजकों ने अपील करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि 30 अगस्त का दिन सिर्फ एक जयंती का नहीं, बल्कि समाज के शौर्य, त्याग और एकता का ऐसा विस्फोटक प्रदर्शन होगा जिसकी गूंज भोपाल तक सुनाई देगी। आप सभी इस ऐतिहासिक जनसैलाब में सामाजिक मिलन एवं अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर संगठित हो समाज को नया आयाम देने सादर आमंत्रित हैं।



खबर संक्षेप

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास, छतरपुर पाँक्सो कोर्ट ने सुनाई सजा

छतरपुर। छतरपुर के विशेष न्यायालय पाँक्सो एक्ट ने नाबालिग बालिका के साथ बलात्कार करने वाले आरोपी को 20 वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक पाँक्सो एक्ट नर्मदांजलि दुबे ने बताया कि विशेष न्यायाधीश पाँक्सो एक्ट कविता वर्मा की अदालत ने 24 अगस्त 2026 को यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। मामले की जानकारी देते हुए पैरवीकर्ता अधिकारी विशेष लोक अभियोजक नर्मदांजलि दुबे ने बताया कि आरोपी बृजगोपाल उर्फ हल्के कुशवाहा उम्र 24 वर्ष को भादवि की धारा 363 के तहत 5 वर्ष का सश्रम कारावास व 1,000 रुपये अर्थदंड, धारा 366 में 7 वर्ष का सश्रम कारावास व 2,000 रुपये अर्थदंड, तथा पाँक्सो एक्ट की धारा 5 एल सहपठित धारा 6 के तहत 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 3,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। इसके अलावा न्यायालय ने पीड़िता को प्रतिकर स्वरूप 1 लाख रुपये की राशि देने की अनुशंसा भी की है। यह मामला थाना गद्दीमलहरा क्षेत्र से संबंधित था। पीड़िता के पिता ने 18 नवंबर 2023 को थाना गद्दीमलहरा में अपनी नाबालिग लड़की के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज करने के बाद जांच के दौरान पीड़िता को दिल्ली से दस्तयाब किया गया। पुलिस उप निरीक्षक नेहा सिंह द्वारा पीड़िता के बयान दर्ज किए गए, जिसमें उसने बताया कि आरोपी बृजगोपाल उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया था और उसके साथ कई बार गलत काम (बलात्कार) किया। बयानों के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए मामला अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले की विवेचना निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार एवं उप निरीक्षक नेहा सिंह गुर्जर द्वारा की गई थी। न्यायालय में विचारण के दौरान शासन की ओर से अभियोजन पक्ष ने कुल 11 गवाहों का परीक्षण कराया तथा 36 दस्तावेजों को प्रस्तुत कर प्रमाणित कराया। न्यायालय ने प्रस्तुत मौखिक व दस्तावेजी साक्ष्यों और अंतिम तर्कों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

खेत में भैंस चराने को लेकर विवाद, कुशवाहा परिवार पर कुल्हाड़ी-लाठी से हमला

मारपीट में कई लोग घायल, अस्पताल में चल रहा उपचार; कार्रवाई की मांग को लेकर एसपी कार्यालय पहुंचा पीड़ित परिवार

छतरपुर। खेत में भैंस चराने को लेकर हुए विवाद के बाद कुशवाहा परिवार के साथ कथित रूप से कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों से मारपीट का मामला सामने आया है। सोमवार को पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग को लेकर आवेदन दिया। पीड़ितों के अनुसार, 16 अगस्त की सुबह खेत में भैंस चराने को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि नंदकिशोर रैकवार और सुखदीन रैकवार ने



कलेक्टर के निर्देशन में जन्मजात विकृति से पीड़ित नवजात को एयर एंबुलेंस से जबलपुर भेजा



छतरपुर। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए जन्मजात विकृति से पीड़ित नवजात को बेहतर एवं उच्च स्तरीय उपचार के लिए पीएम श्री एयर एंबुलेंस के माध्यम से मेडिकल कॉलेज जबलपुर भेजा गया। सिविल अस्पताल लवकुशनगर में नीता अहिरवार के प्रसव के बाद नवजात शिशु में जन्मजात विकृति पाई गई। नवजात के चार हाथ एवं

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर भेजने का निर्णय लिया गया। सीएमएचओ डॉ. आर.पी. गुप्ता द्वारा प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए पीएम श्री एयर एंबुलेंस योजना के तहत कलेक्टर मृणाल मीना की स्वीकृति उपरांत नवजात को मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया। नवजात को 108 एंबुलेंस के माध्यम से खजुराहो एयरपोर्ट पहुंचाया गया। यहां एसएससीयू प्रभारी डॉ. नीरज द्विवेदी एवं नर्सिंग ऑफिसर शिवानी चौधरी द्वारा नवजात को एयर एंबुलेंस की मेडिकल टीम को सुरक्षित रूप से सौंपा गया। इसके बाद नवजात को एयर एंबुलेंस से जबलपुर भेजा गया। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक पीएम श्री एयर एंबुलेंस योजना के तहत 15 मरीजों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में उपचार के लिए रेफर किया गया है। इनमें से 14 मरीज उपचार के बाद स्वस्थ होकर लौट चुके हैं। योजना के माध्यम से गंभीर मरीजों को समय पर उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है।

खजुराहो। सावन माह के पावन अवसर पर सावन के चौथे सोमवार को क्षेत्र में भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह चोहान के नेतृत्व में गंज हनुमान आश्रम से खजुराहो स्थित प्राचीन मतंगेश्वर महादेव मंदिर तक विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में गांव-गांव से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। कांवड़ यात्रा में छोटे बच्चों से लेकर महिलाएं, युवा, पुरुष और

बुजुर्ग तक पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ शामिल हुए। हाथों में कांवड़ और जुवां पर 'हर-हर महादेव' के जयघोष के बीच पूरा एनएच-39 मार्ग शिवमय नजर आया। भजन मंडलियों, डोजे और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के भजनों पर झुमते और नृत्य करते दिखाई दिए। यात्रा के मार्ग में दर्जनों स्थानों पर श्रद्धालुओं का पुष्पपर्वा और माल्यार्पण कर भव्य स्वागत



किया गया। कांवड़ियों के लिए जलपान और भंडारा-प्रसाद की व्यवस्था भी की गई। गंज हनुमान

आश्रम से शुरू हुई कांवड़ यात्रा खजुराहो पहुंचने के बाद मतंगेश्वर महादेव मंदिर में संपन्न हुई। यहां श्रद्धालुओं ने पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। भक्ति, आस्था और सामाजिक एकजुटता का संदेश देती इस विशाल कांवड़ यात्रा ने सावन के चौथे सोमवार को पूरे क्षेत्र को 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गुंजायमान कर दिया।

सावन के चौथे सोमवार को उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने निकाली भव्य कांवड़ यात्रा

खजुराहो। सावन माह के पावन अवसर पर सावन के चौथे सोमवार को क्षेत्र में भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह चोहान के नेतृत्व में गंज हनुमान आश्रम से खजुराहो स्थित प्राचीन मतंगेश्वर महादेव मंदिर तक विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में गांव-गांव से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। कांवड़ यात्रा में छोटे बच्चों से लेकर महिलाएं, युवा, पुरुष और



किया गया। कांवड़ियों के लिए जलपान और भंडारा-प्रसाद की व्यवस्था भी की गई। गंज हनुमान

आश्रम से शुरू हुई कांवड़ यात्रा खजुराहो पहुंचने के बाद मतंगेश्वर महादेव मंदिर में संपन्न हुई। यहां श्रद्धालुओं ने पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। भक्ति, आस्था और सामाजिक एकजुटता का संदेश देती इस विशाल कांवड़ यात्रा ने सावन के चौथे सोमवार को पूरे क्षेत्र को 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गुंजायमान कर दिया।



2 बच्चों को कुएं में फेंककर हत्या करने वाले आरोपी का कुएं में मिला शव, एसडीओपी ने की पुष्टि

छतरपुर। बांत 21 अगस्त को लवकुशनगर के 2 बच्च स्कूल से आते समय अपहृत कर लिए गए थे लेकिन 48 घंटे बाद इन दोनों मासूम बच्चों के शव पहाड़तर के पुरवा गांव में एक कुएं में बरामद हुए थे। और यह स्पष्ट भी हो गया था कि मृतक बच्चों के मां के प्रेमी ने खौफनाक घटना को इसलिए अंजाम दिया था, क्योंकि वह महिला से प्रेम कर रहा था और उसे पाना चाहता था। पुलिस दोनो बच्चों के शवों के पोस्टमार्टम कराकर आरोपी को तलाश करने में जुटी हुई थी लेकिन सोमवार की सुबह फिर एक सनसनीखेज जानकारी मिली कि जिस कुएं में बच्चों के शव मिले थे उस कुएं से 5 किलोमीटर दूर थाना जुझारनगर अंतर्गत एक व्यक्ति का कुएं में शव उतरा रहा है। यह जानकारी पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और पुलिस भी सक्रिय हो गई, कुएं में मिले शव को देखने के लिए लोगों की भीड़ भी उमड़ पड़ी। स्थानीय लोगों ने जब कुएं में शव तैरता हुआ देखा तो यह आशंका हुई कि मासूमों की हत्या करने वाला मुख्य आरोपी बालकेश सिंह हो



सकता है। ग्रामांगा को सूचना पर थाना जुझारनगर पुलिस और एसडीओपी लवकुशनगर मौके पर पहुंचे किसी तरह से शव को कुएं से बाहर निकाला गया क्योंकि शव अत्यधिक क्षत विक्षत और सड़ी गली अवस्था में हो गया था। जिससे स्पष्ट पहचान नहीं हो रही थी उसके परिजनों को सूचना दी गई लेकिन परिजनों ने शव को देखकर स्पष्ट तौर पर पहचानने से इनकार कर दिया। लेकिन जब परिजनों ने पहचानने से इन्कार किया तो पुलिस उलझने में फंस गई क्योंकि तीसरे शव ने पुलिस के सामने भी कई अहम सबाल खड़े कर दिए लेकिन यह आशंका जाहिर की जा रही थी कि आरोपी बालकेश ने अपनी प्रेमिका के दो बच्चों को कुएं में फेंकने के बाद आत्मत्यागि के चलते कुएं में कूद कर स्वयं आत्महत्या कर ली। जब मामला उलझने लगा तो पुलिस ने डीएनए सैम्पलिंग और फोरेंसिक साक्ष्यों के जरिए मृतक की सही शिनाखा करने की तैयारी कर रही थी। लेकिन शाम को एसडीओपी नबीन दुबे ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि जो लाश कुएं में पाई गई है वह दो बच्चों की हत्या करने वाले आरोपी बालकेश की ही है। अब पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल करने में लगी हुई है।

कोटा गांव में फिर चली गोली



रणधीर सिंह को लगी हाथ में 7 माह पहले भी कोटा गांव में हुआ था गोलीकांड

गोली कोटा निवासी रणधीर सिंह के हाथ में लगी है। जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया है। 7 माह पहले भी कोटा गांव में हत्याकांड हुआ था जिसमें रणधीर सिंह को भी आरोपी बनाया गया था। लेकिन उस समय रणधीर सिंह जेल में बंद था। और उन्हें हत्याकांड का आरोपी बना दिया गया था। घटना दोपहर 1 बजे से 2 बजे की बीच की है, परिजनों ने राजनगर थाने पहुंचकर घटना

की रिपोर्ट दर्ज कराई और आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की मांग की। दिनदहाड़े गोली चलने से एक बार फिर कानून व्यवस्था पर सबाल खड़े हो गए है, क्योंकि राजनगर थाना अंतर्गत बिक्रमपुर में कई माह पूर्व गोली मार दी गई थी। इसके बाद राजनगर थाना अंतर्गत ही अभी गत माह खजवा गांव में दो पक्षों के मध्य लाठी डड़ो के साथ गोली भी चली थी।

पति से परेशान पत्नी पांच साल के बेटे के साथ पहुंची एसपी ऑफिस



मारपीट और गहने छीनने के लगाए आरोप

छतरपुर। पति और ससुराल पक्ष से परेशान एक महिला सोमवार को अपने पांच वर्षीय बेटे के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची। महिला ने शिकायत देकर पति समेत ससुराल पक्ष के तीन लोगों पर मारपीट, धमकी देने और आभूषण

छीनने के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता पूनम पटेल के अनुसार, उसकी शादी वर्ष 2019 में सरबई थाना क्षेत्र के बहादुरपुर निवासी अमर पटेल से हुई थी। महिला का आरोप है कि 20 अगस्त की शाम उसके पति अमर पटेल, जेट अजय पटेल और ससुर राजाबाबू पटेल ने एक राय होकर

उसके साथ मारपीट की। महिला ने शिकायत में जेट अजय पटेल पर आपत्तिजनक तरीके से छूने और डंडे से मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं, महिला का कहना है कि उसका पति शराब के नशे का आदी है और आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। शिकायत में जेट पर कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। महिला ने मंगलसूत्र समेत अन्य आभूषण छीनने की बात भी पुलिस को बताई है। महिला ने पुलिस को बताई है। महिला ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा उसे और उसके पांच वर्षीय बेटे को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

20 पासबुक, 23 एटीएम कार्ड और 104 सिम कार्ड बरामद, तीन अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर में साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़, 35 करोड़ के मामलों से जुड़े म्यूल अकाउंट

छतरपुर। जिले में साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। थाना कोतवाली पुलिस ने म्यूल बैंक अकाउंट के जरिए ऑनलाइन धोखाधड़ी की रकम का लेन-देन कराने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग बैंकों की 20 पासबुक, 23 एटीएम कार्ड, विभिन्न कंपनियों के 104 सिम कार्ड और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जांच में सामने आया है कि बरामद बैंक खाते, सिम और अन्य सामग्री देश के कई राज्यों में दर्ज करीब 35 करोड़ रुपये के साइबर ठगी के मामलों से जुड़ी है। पुलिस कंट्रोल रूम में मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक छतरपुर रजत सकलेचा ने बताया कि साइबर अपराधों पर कार्रवाई के क्रम में थाना कोतवाली पुलिस को राजनगर रोड फोरलेन ओवरब्रिज के पास एक व्यक्ति द्वारा म्यूल बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति के बैग की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस द्वारा बरामद सामग्री और संबंधित साइबर क्राइम पोर्टल पर जांच करने पर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। बरामद बैंक खाते, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड बिहार, दिल्ली, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और पंजाब सहित कई राज्यों में दर्ज साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों से जुड़े पाए गए। जांच में करीब 35 करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी के मामलों में इन संसाधनों के इस्तेमाल या कनेक्शन की जानकारी सामने आई है।



37.80 लाख की ठगी के मामले में भी जुड़ा अकाउंट

पुलिस जांच में तमिलनाडु की एक महिला के साथ हुई करीब 37 लाख 80 हजार रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में भी आरोपी सलमान राइन का बैंक अकाउंट सामने आया है। ठगी की रकम का एक हिस्सा सीधे उसके बैंक खाते में ट्रांसफर हुआ था। सलमान राइन थाना सिविल लाइन, छतरपुर में दर्ज एक वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में पहले से फरार चल रहा था, जिसे अब कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

लोगों को लालच देकर जुटाते थे बैंक खाते

पुलिस के मुताबिक आरोपी लोगों को अलग-अलग तरह का प्रलोभन देकर उनके बैंक खाते हासिल करते थे। इसके बाद इन खातों को म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। खातों के साथ फर्जी या दूसरे लोगों के नाम पर जारी सिम कार्ड उपलब्ध कराकर साइबर ठगी की रकम का ट्रांजेक्शन कराया जाता था। इस नेटवर्क में बैंक खातों और सिम कार्ड के जरिए

ठगी की रकम को अलग-अलग खातों में घुमाने का काम किया जाता था गिरफ्तार आरोपियों में सलमान राइन पिता मोहम्मद निसार, निवासी बड़ी कुंजरहटी छतरपुर, शामिल है। पुलिस के अनुसार वह म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने और उन्हें बेचने का काम करता था। दूसरा आरोपी उज्जवल अग्रवाल पिता हरिओम अग्रवाल, निवासी पैराडाइन कॉलोनी छतरपुर है, जो कियोस्क संचालक है। तीसरा आरोपी राहुल पांडेय पिता दुर्लीचंद्र पांडेय, निवासी छत्रसाल नगर छतरपुर है। मामले में एक अन्य आरोपी भी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस जांच में सलमान राइन के खिलाफ साइबर वित्तीय धोखाधड़ी, अवैध वसूली और मारपीट सहित करीब आठ अपराधों में संलिप्तता भी सामने आई है। थाना कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी संबंधी अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों, बैंक खातों और साइबर ठगी की रकम के लेन-देन की जानकारी जुटा रही है। फरार आरोपी की तलाश के साथ पूरे नेटवर्क की कड़ियों को खंगाला जा रहा है।

नाबालिग से छेड़छाड़ के दोषी को 3 वर्ष का सश्रम कारावास, छतरपुर पाँक्सो कोर्ट का फैसला

छतरपुर। विशेष न्यायालय पाँक्सो एक्ट नर्मदांजलि दुबे ने नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ करने वाले दोषी को 3 वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक पाँक्सो एक्ट नर्मदांजलि दुबे ने बताया कि विशेष न्यायाधीश पाँक्सो एक्ट श्रीमती कविता वर्मा की अदालत ने 24 अगस्त 2026 को यह फैसला सुनाया। मामले की जानकारी देते हुए विशेष लोक अभियोजक नर्मदांजलि दुबे ने बताया कि अदालत ने आरोपी हरिशंकर उर्फ हरी पटेल उम्र 40 वर्ष को भारतीय

न्याय संहिता की धारा 74 में 3 वर्ष के सश्रम कारावास व 2,000 रुपये के अर्थदंड और भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2) में 1 माह के कारावास व 500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। घटना के संबंध में पीड़िता के पिता ने 25 मई 2025 को थाना गद्दीमलहरा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 9 वर्षीय बच्ची जब गांव के पीछे शौच के लिए गई थी, तब आरोपी हरिशंकर उर्फ हरी पटेल ने उसे रोककर बुरी नियत से पकड़ लिया था। सूचना पर पुलिस ने प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

पानी में डूबा था गांव का रास्ता, सिरमौर क्षेत्र के जवा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत रौली का मामला

बाढ़ में 90 वर्षीय बुजुर्ग का शव ड्रम की नाव से पहुंचा गांव, मदद के लिए भटकते रहे परिजन

रीवा।

जिले में हाल ही में आई बाढ़ ने जहां जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, वहीं जवा क्षेत्र से सामने आई एक तस्वीर ने सरकारी व्यवस्था और मानवीय संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल में 90 वर्षीय बुजुर्ग की मौत के बाद परिजनों को उनका पार्थिव शरीर गांव तक पहुंचाने के लिए ऐसी मशक्कत करनी पड़ी, जिसे देखकर किसी का भी मन विचलित हो सकता है। रास्ते में भरे बाढ़ के पानी के कारण परिजनों को दो ड्रमों को जोड़कर अस्थायी नाव बनानी पड़ी और उसी के सहारे शव को घर तक ले जाना पड़ा।

मामला सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के जवा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत रौली का बताया जा रहा है। मृतक की पहचान 90 वर्षीय मोतीलाल तिवारी के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक 20 अगस्त को रीवा के संजय गांधी अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई थी। अस्पताल से शव लेकर परिजन गांव के मुख्य मार्ग तक पहुंचे, लेकिन आगे का रास्ता बाढ़ के पानी से पूरी तरह प्रभावित था। पानी का बहाव तेज होने के कारण वाहन से शव को घर तक ले जाना संभव नहीं था। बताया जा रहा है कि लगातार बारिश के बाद क्षेत्र के नदी-नालों में जलस्तर बढ़ गया था। रौली गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर भी पानी भर गया। ऐसे में परिजन शव लेकर रास्ते में फंस गए। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर मदद की मांग की, ताकि किसी सुरक्षित साधन से पार्थिव शरीर को घर तक पहुंचाया जा सके, लेकिन उन्हें अपेक्षित सहायता नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने स्थानीय लोगों की मदद से दो बड़े ड्रमों की व्यवस्था की। दोनों ड्रमों को रस्सियों की मदद से आपस में बांधकर एक अस्थायी नाव का स्वरूप दिया गया। इसके ऊपर पार्थिव शरीर को सुरक्षित तरीके से रखा गया और परिजन बाढ़ के पानी को पार करते हुए शव को गांव तक ले गए।



अंतिम यात्रा में सामने आई व्यवस्था की मजबूरी

जिस व्यक्ति को अंतिम विदाई सम्मान और गरिमा के साथ मिलनी चाहिए थी, उसके पार्थिव शरीर को बाढ़ के पानी के बीच ड्रमों से बनी अस्थायी नाव के सहारे ले जाना पड़ा। परिजनों ने किसी तरह शव को गांव तक पहुंचाया, जिसके बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई।वही स्थानीय समाजसेवी अभिषेक तिवारी ने मामले को लेकर पंचायत स्तर पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मृतक के परिजनों ने गांव की महिला सरपंच और रोजगार सहायक विवेक तिवारी से संपर्क कर प्रशासनिक मदद उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। आरोप है कि उन्हें सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसके बाद परिवार को खुद ही वैकल्पिक इंतजाम करना पड़ा। अभिषेक तिवारी के मुताबिक यदि समय रहते प्रशासन या पंचायत स्तर से कोई नाव, ट्रैक्टर-ट्रॉली अथवा अन्य सुरक्षित साधन उपलब्ध कराया जाता तो परिवार को इस तरह की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।

इनका कहना है

टमस नदी का पानी जल भराव होने के कारण गांव में घुसा था, मौके पर रोजगार सहायक में नाव की व्यवस्था की थी जिसके वीडियो फोटो प्रशासन के पास मौजूद हैं, बड़े दुख का विषय है की सुविधा होने के बावजूद कोई व्यक्ति दूसरे साधन का उपयोग करना सुनिश्चित किया जांच कराएंगे।

नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी
कलेक्टर रीवा।

बाढ़ से हुई हानि का तीन दिन में सर्वे कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें - कलेक्टर

क्षेत्रों में तत्काल साफ-सफाई, उपचार और सड़कों में सुधार कराएं

रीवा।



कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि जिले भर में नदियों के जल स्तर में तेजी से गिरावट आई है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जल भराव अब समाप्त हो गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई की तत्काल व्यवस्था करें। शहरी क्षेत्र में नगरीय निकास तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतें तत्काल सफाई शुरू करें। सभी एसडीएम बाढ़ से हुई हानि का तीन दिन में सर्वेक्षण कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सर्वे के दौरान मकान, घरेलू सामग्री, फसल आदि की हानि को शामिल करते हुए राहत प्रकरण बनाएं। शासन के मापदण्डों के अनुरूप पीड़ितों को तत्काल राहत राशि का वितरण कराएं। सर्वे के लिए सभी एसडीएम, पटवारी तथा अन्य मैदानी कर्मचारियों को आज ही तैनात कर दें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग तथा सड़क निर्माण से जुड़े अन्य अधिकारी जिले भर में सड़कों के सुधार का कार्य तत्काल शुरू कराएं। अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल प्रभावित क्षेत्रों में बिजली की लाइनों और ट्रांसफार्मरों में तत्काल सुधार कराएं।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में शिविर लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कराएं। मैदानी अमले को वर्षाजनित बीमारियों के उपचार के लिए समुचित दवाएं उपलब्ध कराएं। उप संचालक पशुपालन बाढ़ में मृत पशुओं के निस्तारण की व्यवस्था करें। पशुओं के टीकाकरण तथा बीमार पशुओं के उपचार की तत्काल व्यवस्था करें। कार्यपालन यंत्री पीएचई बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के साथ-साथ पूरे जिले में पेयजल स्रोतों का क्लोरिनेशन कराएं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के सभी कुओं और हेण्डपंपों में पानी की गुणवत्ता की जांच करके शुद्धता तय करें। इन क्षेत्रों के सभी पेयजल स्रोतों का शुद्धिकरण कराएं। उप संचालक कृषि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों की फसलों के संबंध में रिपोर्ट दें। बाढ़ का पानी उतरने के बाद उत्पन्न होने वाली समस्याओं तथा पीड़ितों की कठिनाईयों को दूर करने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करें। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों तथा टीएल प्रत्रों

के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम 50 दिन से अधिक लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। हर महीने की पाँच तारीख तक सीएम हेल्पलाइन में 80 वेडज स्कोर प्राप्त करें। कलेक्टर ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग में 80 से कम अंक प्राप्त करने वाले विभागों के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सहायक संचालक उद्यानिकी, सभी जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला आयुष अधिकारी, प्राचार्य आयुर्वेदी कालेज, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम, जिला प्रबंधक मार्कफेड को सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में रूचि न दिखाने पर कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में 80 प्रतिशत से कम निराकरण करने वाले तहसीलदार तथा नायब तहसीलदारों को भी नोटिस देने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री के दौरे के समय सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्व के अनुसार अपनी जिम्मेदारी निभाएं। मुख्यमंत्री जी ने राहत और बचाव के संबंध में वीडियो कांफ्रेंसिंग में जो निर्देश दिए हैं उसका तत्परता से पालन करें। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, एसडीएम गुड सुधाकर सिंह, एसडीएम जवा पीयूष भट्ट, डिप्टी कलेक्टर जितेंद्र तिवारी, डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



अभ्युदय 2026 में इंजीनियरिंग कॉलेज में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ स्वागत

रीवा। रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं उनके शैक्षणिक जीवन की शुरुआत के अवसर पर सोमवार को सप्ताहव्यापी स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम 'अभ्युदय-2026' का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरि नारायण वैद्य विभाग प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. योगेंद्र तिवारी, प्राचार्य, शासकीय विधि महाविद्यालय, रीवा एवं अध्यक्षता निवारी ने की। दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया।नवप्रवेशित विद्यार्थियों का पुष्पगुच्छ एवं तिलक का अभिनंदन किया गया तथा वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा रचित आरईसी गीत प्रस्तुत किया गया। डीन छात्र कल्याण एवं अभ्युदय-2026 के

समन्वयक डॉ. संदीप कुमार पाण्डेय ने स्वागत उद्बोधन एवं कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें वंदे मातरम् की भावना को आत्मसात कर राष्ट्रनिर्माण में योगदान देने वाले उत्कृष्ट अभियंता बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि अभ्युदय-2026 के अंतर्गत एक सप्ताह तक विशेषज्ञ व्याख्यान, संवाद, रचनात्मक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। प्राचार्य डॉ. राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण प्रवेश परिस्थितियों के बावजूद रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय विद्यार्थियों के विश्वास और गुणवत्ता के कारण निरंतर प्रगति कर रहा है। प्राचार्य डॉ. राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने नवप्रवेशित

विद्यार्थियों को अभिनंता शपथ दलाई। विशिष्ट अतिथि डॉ. योगेंद्र तिवारी ने विद्यार्थियों को श्रम, सत्यनिष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सृजन बिना श्रम के संभव नहीं है। मुख्य अतिथि हरि नारायण वैद्य ने अपने 'पार्थेय' में विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और राष्ट्रहित को अपने जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच तथा आत्मविश्वास के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि "जैसा हम सोचेंगे, वैसा ही बनेंगे।" कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आगामी एक सप्ताह में विभिन्न विशेषज्ञ व्याख्यान, संवाद एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

एक बैग, एक संकल्प—हर बच्चे की शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए एक कदम



हिडालको CSR की पहल: सी.एन. राज्ञ स्कूल के 262 विद्यार्थियों को मिले स्कूल बैग

बर्गवा। हिडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, महान एल्यूमिनियम के CSR विभाग द्वारा प्रोजेक्ट 'अध्ययन' के अंतर्गत सी.एन. राज्ञ स्कूल, बर्गवा में स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नर्सरी से कक्षा 5 तक अध्ययनरत 262 विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए।कार्यक्रम में नमस्त्री महिला मंडल की श्रद्धा मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, "बच्चों के हाथ में हम केवल स्कूल बैग नहीं, बल्कि उनके बेहतर भविष्य की उम्मीदें सौंप रहे हैं।" शिक्षा वह माध्यम है, जो बच्चों के सपनों को दिशा देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की ताकत देती है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा में किया गया प्रत्येक प्रयास समाज के बेहतर भविष्य की नींव तैयार करता है। आर्थिक परिस्थितियां किसी बच्चे की पढ़ाई में बाधा न बने, इसके लिए समाज और संस्थाओं को मिलकर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने तथा शिक्षकों और अभिभावकों का सहमन करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में शील श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा। उनके प्रयास एवं समन्वय से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विद्यालय के शिक्षकों ने हिडालको CSR को इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को स्कूल बैग जैसे सी आध्वक शैक्षणिक सामग्री मिलने से उनमें पढ़ाई के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है।

जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन मुस्तैद कलेक्टर-एसपी ने राहत एवं बचाव कार्यों का लिया जायजा

मऊगंज। जिले में वर्षा के कारण जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। कलेक्टर संजय कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार जैन ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर मौके पर संचालित राहत एवं बचाव कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित अधिकारी एवं मैदानी अमला उपस्थित रहा। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत कोट पहुंचकर जलभराव की स्थिति तथा प्रभावित नागरिकों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम पंचायत कोट में बनाए गए राहत शिविर का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध आवश्यक सुविधाओं, भोजन, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राहत शिविर में ठहरे नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा आवश्यकतानुसार सभी सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र कोट एवं उचित मूल्य दुकान (राशन दुकान) कोट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्यान्न वितरण एवं आवश्यक सामग्री की उपलब्धता



प्रशासन की टीमों लगातार सक्रिय रहें और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यकतानुसार तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करें।प्रशासन द्वारा जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रभावित परिवारों से सतत संपर्क बनाए रखने तथा आवश्यकता के अनुसार राहत एवं बचाव कार्य तत्काल संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने देवतालाब मंदिर प्रांगण का निरीक्षण कर जलभराव की स्थिति एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा जलभराव की स्थिति पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यकता अनुसार तत्काल राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के लिए मैदानी अमले को सक्रिय रहने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीम मऊगंज रश्मि चतुर्वेदी, सीईओ नईगढ़ी ऊषा किरण गुप्ता, तहसीलदार सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को खाद्यान्न सहित आवश्यक सामग्री की उपलब्धता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में